विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189.

❖ अमरावती, गुरूवार 25 दिसंबर 2024 से 2 जनवरी 2025 2024 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 26 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

महाकुंभ तैयारियां तेज,२८ को आएंगे योगी

धर्मध्वजा पूजा और स्थापना में मुख्यमंत्री योगी होंगे शामिल

तीन अखाड़ों की धर्मध्वजाओं की होगी स्थापना,लाखों उमड़ेंगे

विदर्भ स्वाभिमान, 25 दिसंबर

प्रयागराज-महाकुंभ मेले की तैयारियों का जायजा लेने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 28 दिसंबर को प्रयागराज आ रहे हैं. इस दौरान वह सेक्टर 20 स्थित अखाड़ा नगर भी जाएंगे. वहां वैष्णव सम्प्रदाय के श्री पंच निर्मोही अनी, श्री पंच निर्वाणी अनी व श्री पंच दिगंबर अनी अखाड़ा के शिविर में धर्मध्वजा पूजन व स्थापना में शामिल होंगे.महाकुंभ की तैयारियां जहां युद्धस्तर पर की जा रही हैं, वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे के मद्देनजर यहां पर हर तरहका व्यापक सुरक्षा इंतजाम भी किया जा रहा है.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में तीनों अखाड़ों की धर्म ध्वजाएं स्थापित होंगी. कुंभ-2019 के श्रीगणेश के पहले भी मुख्यमंत्री तीनों अनी अखाड़ों की धर्मध्वजा पूजन में शामिल हुए थे. मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, वह 28 दिसंबर की सुबह 10.30 के लगभग हेलीकाप्टर से प्रयागराज आएंगे.वह धर्म ध्वजा पूजन के बाद अखाड़ों के प्रतिनिधियों से भेंट करेंगे. वह लगभग एक घंटा रहेंगे. अखाड़ों के प्रतिनिधियों से लगभग आधा घंटा तक मुलाकात करेंगे. लगभग 12.15 बजे प्रयागराज मेला प्राधिकरण के सभागार पहुंचकर महाकुंभ की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक करेंगे. इस दौरान वे समुचित इंतजाम की तैयारियों का जायजा भी लेंगे.

चाकचौबंद सुरक्षा रहेगी

महाकुंभ में देश-विदेश से लाखों लोग उमड़ने वाले हैं. इसके मद्देनजर चाकचौबंद सुरक्षा व्यवस्था की गई है. इसकी भी समीक्षा योगी आदितयनाथ करेंगे. **शेष पेज 2 पर**

पीएम मोदी जारी करेंगे 59 लाख का सम्पत्ति कार्ड

विदर्भ स्वाभिमान,25 दिसंबर

नई दिल्ली- बारह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 50,000 से अधिक गांवों में संपत्ति मालिकों को 'अधिकार दस्तावेज' के तौर पर 58 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड जारी किए जाएंगे. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस कार्यक्रम को ऑनलाइन तरीके से संबोधित करेंगे. पंचायती राज मंत्रालय के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान कम से कम 13 केंद्रीय मंत्री विभिन्न राज्यों में कार्यक्रमों को संबोधित करेंगे, जहां संपत्ति कार्ड वितरित किए जाएंगे.

स्वामित्व' योजना की शुरुआत 2020 में की गई थी-इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक संपत्ति मालिक को अधिकारों का दस्तावेज" प्रदान करना है. मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा संबोधित किए जाने वाले इस ऑनलाइन कार्यक्रम में 10 राज्यों- छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दो केंद्र शासित प्रदेशों- जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के लगभग 50,000 गांवों के 58 लाख संपत्ति मालिकों को संपत्ति कार्ड जारी किए जाएंगे. इस बीच कई केंद्रीय मंत्री इन राज्यों में विभिन्न स्थानों पर लाभार्थियों से संपर्क करेंगे और कुछ संपत्ति कार्ड भी वितरित **शेष पेज 2 पर**

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

ज़ीवन में आप जितने लोगों की खुशी का कारण बनेंगे, वही आपकी असली कमाई है. रुलाने वाले लोगों को स्मशान में जलाते समय भी लोग गालियां देते हैं. यह जीवन की कमाई नहीं हो सकती है. हमें किसी की खुशी का कारण बनने का प्रयास सदैव करते रहना चाहिए.

पेज नंबर 2

ज़ननायक नेता हैं पूर्व विधायक बच्चू कडू,सेवा में समर्पित

पेज नं.2

अमरावती की शान लप्पीभैया की 108 भागवत कथा में से 56वीं कथा रही शानदार

पेज नं.4

माहेश्वरी नवयुवक मंडल ने माना अपनों का आभार

पेज नं. 8

संत गाड़गेबाबा समाजसुधारक संत, प्रमोद पोकले के भजनों से झूमे असंख्य भक्त

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

जननायक नेता के रूप में जाने जाते हैं बच्चू कडू

कहते हैं कि जब सूर्य का उदय होता है तो निश्चित तौर पर अंधेरा कितना भी गहरा क्यों नहीं हो, वह छंट जाता है. इसी तरह समाज में भी कुछ ऐसे लोग होते हैं, जिनका कार्य बोलता है. जिले ही नहीं तो दिव्यांगों की समस्याओं के निराकरण के लिए सदैव तत्पर रहने वाले मंत्री का दर्जा रखने वाले दिव्यांग मंत्रालय के अध्यक्ष, पूर्व विधायक बच्चू कडू की सक्रियता सदैव बरकरार रहती है. जहां चुनाव में हारने के बाद नेता शांत होकर बैठ जाते हैं, वहीं वे आज भी अपनी सक्रियता के लिए याद किये जा रहे हैं. केन्द्रीय मंत्री नितिन गड़करी से उन्होंने मुलाकात कर जिसि तरह अपने क्षेत्र के अधूरे प्रकल्पों के बारे में चर्चा की और उसका फॉलोअप लेने का आग्रह किया.यह उनकी सक्रियता और जनता के कामों के प्रति गंभीरता का परिचायक है. बोलने में कम और करने में जहां वे अधिक विश्वास रखते हैं, वहीं दूसरी ओर बच्चू कडू को जमीन से जुड़ा नेता और कार्यकर्ता माना जाता है. बच्चू कडू इस मामले में सबसे अधिक जागृत और सक्रिय रहते हैं. मंत्री का दर्जा प्राप्त रहने वाले कडू ने अपने कार्यकाल के दौरान यहां पर करोड़ों रूपए के विकास कामों को क्षेत्र के विकास को लगे ग्रहण को दूर करने और बैतूल-परतवाड़ा-अमरावती राष्ट्रीय महामार्ग के अधूरे काम को पूरा करने सहित फिनले मिल शुरू करने, शकुंतला रेलवे आरंभ करने,अचलपुर-मुर्तजापुर रेलवे लाइन संबंधी विभिन्न मांगों पर समुचित कार्रवाई करने की मांग विधायक बच्चू कडू ने भाजपा के वरिष्ठ नेता और दमदार केन्द्रीय मंत्री नितिन गड़करी से की. साथ ही उन्हें बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान लगातार प्रयास करने से यह मामले मंजूर होने के बाद भी अभी तक इनका काम नहीं होने के कारण परेशानी हो रही है. मंत्री गडकरी ने भी उनकी बात को ध्यान से सुना और समुचित ध्यान देने का भरोसा दिलाया.

अचलपुर विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों रूपए के विकास काम पूर्व विधायक बच्चू कडू ने किये थे. बहिरम मेले का स्वरूप बदलने और यहां पर किसानों के हित के लिए कई उपक्रम शुरू करने का श्रेय भी उन्हें ही जाता है. पूर्व विधायक बच्चू कडू ने नागपुर में केन्द्रीय मंत्री नितिन गड़करी से चर्चा की. अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न विकास कार्यों में रुके कार्यों को पूरा करने का आग्रह उन्होंने किया.कारंजा-बहिरम के राष्ट्रीय महामार्ग क्रमांक 548 सी के समांतर रास्ता सेवा रास्ता मंजूर करने की मांग की.दिव्यांगों की समस्याओं के साथ ही जनता की विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए वे सदैव तत्पर रहते हैं. वे एकमात्र ऐसे नेता हैं, जो राजनीति में समाजसेवा को अत्याधिक महत्व देते हैं.

समर्पित,निष्ठावान नेत्री हैं निवेदितताताई

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

जिले की राजनीति में भाजपा की ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूती के लिए जी-जान से प्रयास करने वाली समर्पित, निष्ठावान तथा विकास का विजन रखने वाली नेत्री के रूप में निवेदितताताई दिघड़े चौधरी का उल्लेख किया जाता है. उनका कहना है कि जीवन में भाजपा से जुड़ने के बाद समाज कार्य तथा राष्ट्रधर्म को सबसे अधिक महत्व देने की सीख जहां उन्हें मिली है.वहीं पार्टी के माध्यम से तिवसा क्षेत्र में विकास कामों में भरपूर काम करने का मौका मिला. एकच ध्यास, तिवसा का सर्वांगीण विकास को जहां उन्होंने अपना घोषवाक्य बना लिया है, वहीं मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस सहित भाजपा के केन्द्रीय स्तर के कई नेताओं के साथ उनके करीबी संबंध रहे हैं. मुख्यमंत्री के रूप में देवेन्द्र फड़णवीस को सबसे सक्षम, समझदार और सभी को साथ लेकर चलने वाला नेता बताते हुए वे कहती हैं कि देवेन्द्र फड़णवीस ने राजनीति में नगरसेवक, महापौर, विधायक, विपक्षी नेता के साथ ही मुख्यमंत्री के रूप में भी पूर्व में जो कार्य किया, विदर्भ के विकास को लेकर जिस तरह का उनका शानदार विजन रहता है, वह अपने आप में बहुत बड़ी बात है. शांत,संयमित व्यक्तित्वों के रूप में उन्होंने महाराष्ट्र की राजनीति में कई ऐसे दिग्गजों को धूल चटाने में सफलता हासिल की, जो स्वयं को तुर्रम खां मानते थे और स्वयं ही स्वयं को चाणक्य मानते थे. यह सब करने के साथ ही उत्कृष्ट वक्ता के साथ ही राज्य का विकास करने के लिए केन्द्रस्तर से हर तरह की मदद देने वाले नेता हैं. उनका कहना है कि भाजपा राष्ट्रधर्म को सर्वोच्च मानती है. फड़णवीसजी के रूप में राज्य को सबसे सक्षम मुख्यमंत्री मिले हैं. निश्चित तौर पर आगामी दिनों में राज्य की जनता इसका अनुभव करेगी. महिलाओं के लिए लाड़ली बहन योजना भी उन्हीं की बेहतरीन सोच है.

महाकुंभ की तैयारियों ने पकड़ी गति

पेज 1 से जारी-इसमें प्राधिकरण के साथ लगभग 17 विभागों के उच्चाधिकारी और शासन के बड़े अधिकारी भी रहेंगे. लगभग एक घंटे तक बैठक के बाद मुख्यमंत्री महाकुंभ के कार्यों का निरीक्षण करेंगे. मुख्यमंत्री लगभग चार बजे लखनऊ को प्रस्?थान करेंगे. इसको लेकर महाकुंभ मेला क्षेत्र में तैयारियां तेज हो गई हैं.सभी विभागों के अधिकारी दिन और रात युद्ध स्तर पर काम कराने में जुटे हैं. बुधवार को अखाड़ों में संगम लोअर मार्ग की बेहतरीन सफाई कराई गई है. मुख्यमंत्री योगी आद?त्?यनाथ को इसी मार्ग से जाना है. पास में ही स्थित रेत का टीला पोकलैंड और जेसीबी से हटवा दिया गया. मुख्यमंत्री का यह दौरा इस माह में पांचवी बार होगा.

दिव्य और भव्य महाकुंभ में सुरक्षा के दृष्टिगत 218 प्रशिक्षु आइपीएस की भी ड्यूटी लगेगी. वह महाकुंभ मेला क्षेत्र में सुरक्षा, यातायात, भीड़ प्रबंधन से लेकर अन्य कार्यों में अपनी-अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे. एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि महाकुंभ में 218 ट्रेनी आइपीएस की ड्यूटी लगेगी. इससे व्यवस्था को बेहतर बनाने में काफी सहयोग मिलेगा.महाकुंभ में दुकानों के आवंटन के लिए दूसरे दिन बुधवार को बोली और चढ़ गई. मंगलवार को जिस तरह की दुकान की बोली लगभग साढ़े छह लाख में लगी थी, उसी साइज की दुकान की बुधवार को सबसे ऊंची बोली सात लाख 20 हजार रुपये लगी. मेला प्रशासन के अस्थायी कार्यालय में बुधवार दोपहर भी बोली लगनी शुरू हुई. दूसरे दिन कुल 45 दुकानों की बोली लगी. पहले दिन 35 दुकानों की बोली लगी थी.दूसरे दिन की बोली में सबसे ऊपर सुनील कुमार की रही जिन्होंने सात लाख 20 हजार पर अपनी दुकान ली. इसके बाद विक्रम ने छह लाख 10 हजार रुपये में, कमलाकर अवस्थी ने पांच लाख 60 हजार, रविंद्र कुमार गुप्ता ने पांच लाख 26 हजार में, अजय कुमार गुप्ता ने पांच लाख 21 हजार रुपये में, ऋषि प्रकाश श्रीवास्तव ने पांच लाख 20 हजार रुपये में, कृष्णकांत पांडेय ने तीन लाख 20 हजार रुपये में बोली लगाकर दुकान ली. गुरुवार को भी दुकानों की बोली लगाई जाएगी.

मोदी बांटेंगे सम्पत्ति कार्ड

पेज 1 से जारी- करेंगे. केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान राजस्थान के जोधपुर में एक कार्यक्रम में शामिल होंगे, जबकि जेपी नड्डा जयपुर में, भूपेंद्र यादव अलवर में, अन्नपूर्णा देवी कोटा में और अर्जुन राम मेघवाल बीकानेर में होंगे. केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल महाराष्ट्र के अहिल्या नगर में एक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे, जबकि रक्षा राज्य मंत्री निखिल खडसे नंदुरबार में और मुरलीधर मोहोल पुणे में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगे. केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर पंजाब के बठिंडा में, ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया मध्य प्रदेश के गुना में और जितेंद्र सिंह जम्मू-कश्मीर के कठुआ के कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे. पंचायती राज सचिव विवेक भारद्वाज ने बताया कि इन 58 लाख स्वामित्व कार्ड सहित अब तक 2.19 करोड़ संपत्ति कार्ड को अंतिम रूप दिया जा चुका है.

उन्होंने कहा कि इसके अलावा, 3.44 लाख से अधिक गांवों में से 3.17 लाख गांवों में 92 प्रतिशत ड्रोन मैपिंग पूरी कर ली गई है और यह योजना 2026 तक पूरी होने की संभावना है. भारत में ग्रामीण भूमि का सर्वेक्षण और अधिकारों का अभिलेखीकरण कई दशक पहले ही पूरा हो चुका था. इसके अलावा, कई राज्यों में गांवों के आबादी क्षेत्र का सर्वेक्षण/मानचित्रण नहीं किया गया था. इसलिए, गांव की आबादी वाले क्षेत्रों के लिए स्वामित्व का कोई अभिलेख नहीं बनाया जा सका. अब तक 31 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश इस योजना में शामिल हो चुके हैं. इनमें से सिक्किम, तेलंगाना और तमिलनाडु ने केवल प्रायोगिक रूप से परियोजना में हिस्सा लिया है, जबकि पश्चिम बंगाल, बिहार, नगालैंड और मेघालय इस योजना में शामिल नहीं हुए हैं. सम्पत्ति कार्ड के वितरण से 58 लाख लोगों को लाभ मिलेगा और सम्पत्ति का स्थायी दस्तावेज प्राप्त होने की खुशी है.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhaswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

जिले की शान का सम्मान

अमरावती- शहर ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर सेवा,धर्म कार्य,किसानों की मदद सहित सामाजिक उपक्रमों के लिए सुख्यात समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया का महानुभाव आश्रम के शताब्दी महोत्सव में देश की शान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के हाथों सम्मानित किया गया. यह अवसर सभी शहरवासियों के लिए यादगार अवसर रहा. इस समय कविश्वर कुलाचार्य कारंजेकर बाबा सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे.

फोटो-पुखराज राजपुरोहित

लप्पीभैया के 108 कथा संकल्प में 56 वीं कथा संपन्न

अमरावती-राधा मधुसूदन सनातन संस्कृति संस्था के प्रमुख व समाज सेवक चंद्रकुमार जाजोदिया (लप्पीभैया) ने अपने जन्मदिन पर 108 कथा का संकल्प लिया जो परे राज्य में चल रहा है जिसमें 56 कथा पूरी हो चुकी है. यह कथा का उद्देश्य सनातन संस्कृति को प्रकाशित करना, आने वाली युवा पीढ़ी को नशा मक्त रखना , स्कूल में जाकर भगवत गीता का महत्व समझाना उनको हनुमान चालीसा,कृष्ण महामंत्र, वह अनेक ऐसी बातें जो हिंदू संस्कृति से जुड़ी है. कथा में छोटे बच्चों को राधा कृष्ण की झाकी बना कर , रंगोली स्पर्धा रख कर , बच्चों का मनोबल बढ़ाते है.इस कथा के कथा वाचक अंतरराष्ट्रीय कृष्णभवनामृत संघ के मधपति दास जी महाराज थे.इस कथा में विशेष रूप से शंकर रामचंद्र फाड़के, संपन्न तुकाराम राजगुरु, महादेव संभाजी

सनय , विकास केजरीवाल, अमित जाजोदिया,विठ्ठल भोपान सादुंके, वसंत सनय, विजय मोहन फाड़के, शामराव विठोबा फाड़के, बापुराव राजाराम शिंदे, सागर तावड़े, अनिल तावड़े, मधुकर भीमराव भगत, गजानन नारायण फाड़के, सागर भापकर, बापुराव शेलार, कुंडलीक सनय, राजेंद्र सनय, दशरथ मारूति सनय, चंद्रकांत तुकाराम राजगुरु, अनिकेत जोशी,शिवाजी भगत व समस्त भक्त मंडली मौजूद थी.

सभी के साथ से अभिनंदन बैंक ने किया है विकास

साक्षात्कार में सीईओ शिवाजी देठे ने बताया,समर्पित अध्यक्ष,संचालक मंडल का कुशल मार्गदर्शन दिलाता है कामयाबी

विदर्भ स्वाभिमान, 25 दिसंबर

अमरावती- आज स्पर्धा का दौर है, इसमें कई चुनौतियों का सामनाएक साथ करना पड़ता है. बैंकिंग क्षेत्र को तलवार की धार पर चलना पड़ता है. लेकिन पारदर्शी कार्यप्रणाली, सभी का सहयोग, संचालकों का मार्गदर्शन, अध्यक्ष के साथ ही प्रबंधन बोर्ड के प्रमुख का साथ और समन्वय के कारण ही आज अभिनंदन बैंक ने अपार सफलता प्राप्त की है. बैंक के अधिकारी,कर्मचारियों को यहां कर्मयोगी का सम्मान संचालकों द्वारा दिया जाता है. इससे वे भी पूरी क्षमता और निष्ठा से काम करने में गौरवान्वित महसूस करते हैं. सभी के साथ से ही बैंक ने शानदार कामयाबी हासिल की है. इस आशय का मत बैंक के सीईओ शिवाजी देठे ने व्यक्त किया.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए उन्होंने बताया कि ग्राहकों ,सभासदों के दिलों में स्थान बनाया है. बैंक सभी के सहयोग और उम्दा सोच के कारण ही सदैव आगे बढ़ रही है. ग्राहकों को जहां अधिकाधिक लाभ देने का प्रयास किया जाता है, वहीं तत्पर सेवा के मामले में अधिकारी और कर्मचारियों की कोशिश ने बैंक को बुलंदी पर पहुंचाया है. आगामी समय में भी अध्यक्ष के नेतृत्व में बैंक के सभासदों और ग्राहकों को सदैव बेहतरीन देने का प्रयास किया जाएगा. इस आशय का मत बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिवाजी देठे ने किया. बैंक की प्रगति में जहां उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, वहीं सहकारिता नियमों के साथ ही रिजर्व बैंक के नियमों का गहन अध्ययन करने वाले शिवाजी देठे के मुताबिक बैंक के संचालकों की ट्रस्टी वाली बेहतरीन भूमिका के कारण ही स्वतंत्रता के साथ ही काम करने में आसानी होती है. उनके मुताबिक स्थापना के बाद से ही बैंक के संचालकों ने विश्वसनीयता, पारदर्शी कार्यप्रणाली, ग्राहकों , सभासदों के हितों को सदैव महत्व दिया है, यही कारण है कि आज करोड़ों रूपए का डिपाजिट ग्राहक करते हैं. बैंक द्वारा नियमों का पालन करने के मामले में किसी तरह की ढिलाई नहीं की जाती है. इसमें किसी तरह का भेदभाव नहीं होता है.

रिजर्व बैंक के साथ ही सहकार विभाग के नियमों का कड़ाई से जहां

विदर्भ स्वाभिमान

साक्षात्कार

पालन करने पर बैंक द्वारा ध्यान दिया जाता है, वहीं दूसरी ओर ग्राहकों को तत्पर सेवा देने के लिए भी निरंतर प्रयासरत रहते हैं.बैंक सदस्यों तथा ग्राहकों के विश्वास को सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए समर्पित सीईओ शिवाजी देठे ने कहा कि सभी के साथ और समन्वय से ही ही कोई संस्था प्रगति करती है, इसका उदाहरण अभिनंदन अर्बन बैंक है. अध्यक्ष एड. विजय बोथरा, प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष सुदर्शन गांग, उपाध्यक्ष सुरेन्द्र बरडिया के साथ ही सभी संचालकों का समर्पण और मार्गदर्शन भी बैंक की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण साबित होने की बात कही.

विश्वास के लिए बड़ा समय

बेहतरीन स्वभाव के साथ ही नियमों के मामले में सख्त अधिकारी शिवाजी देठे अनुशासन प्रिय अधिकारी हैं. बैंक की प्रगति के लिए जहां वे समर्पित रहते हैं, वहीं ग्राहकों के हितों को सदैव महत्व देने का काम करते हैं. किसी भी संस्था के लिए 25 साल का समय काफी महत्वपूर्ण होता है. लेकिन सभासदों, ग्राहकों, संचालकों, कर्मचारियों, सहयोगी अधिकारियों के संयुक्त प्रयासों के कारण अभिनंदन बैंक ने एक के बाद एक कई रिकार्ड बनाए हैं. बैंक की कामयाबी को सभी के समन्वीत प्रयासों का नतीजा मानने वाले शिवाजी देठे के मुताबिक पच्चीस साल में बैंक ने उत्तरोत्तर प्रगति की है. शीघ्र ही बैंक की स्वयं की आधुनिकतम सुविधाओं के साथ सुसज्जीत बहुमंजिला इमारत तैयार हो रही है. संचालकों के समर्पण और मार्गदर्शन को बैंक की प्रगति में मील का पत्थर मानते हुए उन्होंने कहा कि विश्वस्त जैसी संचालकों की भूमिका उन्हें आगे बढ़ा संस्था से भी अधिक बैंक के लिए होता है. लेकिन अमरावती ही नहीं तो समूचे राज्य में सहकारिता क्षेत्र को गौरवान्वित करने वाली बैंक के रूप में अभिनंदन अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक ने जिस तरह के उच्च मापदंडों का पालन किया है और बैंकिंग के क्षेत्र में लोकप्रियता के साथ ही सहकार निष्ठ सहित कई दर्जन पुरस्कार प्राप्त किए हैं, उसके चलते यह कहना गलत नहीं होगा कि अपने कार्यों से जहां बैंक ने ग्राहकों, निवेशकों के दिलों में स्थान बनाया है, बल्कि पिछले पच्चीस साल से यह बैंक लगातार कामयाबी की बुलंदी हासिल कर रही है. बैंक की मुख्य इमारत भी तैयार होने के करीब है.

ठंडी में उंगलियां टेढ़ी होने पर क्या करना चाहिए

सर्दी के मौसम में जैसे जैसे ठंड बढ़ती है कुछ लोगों के हाथ पैर की उंगलियां सूजकर लाल हो जाती है कभी-कभार समस्या बढ़ने पर गलने लगती है. ऐसी स्थिति में सूजन वाली जगह पर तेज खुजली, जलन और दर्द होता है. कुछ लोगों को यह तकलीफ इतनी ज्यादा होती है कि वह मौजे या शूज भी नहीं पहन पाए लेकिन ऐसा होता क्यों है और इससे कैसे बचा जा सकता है इस बारे में जानना भी बहुत जरूरी है चलिए आपको इस बारे में ही बताते हैं.

मौसम में तापमान गिरने के कारण शरीर की नसें सिकुड़ने लगती हैं और नसों में रक?त का प्रवाह धीमा पड़ जाता है. हाथ और पैर शरीर का आखिरी हिस्सा होता है इसलिए यहा तक खून धीमे-धीमे पहुंच पाता है इसी लिए उंगलियों में सूजन आती है और जब आप बहुत जल्दी गर्म हो जाते हैं तो रक्त वाहिकाएं फिर से बड़ी हो जाती हैं और रक्त आपकी उंगलियों और पैर की उंगलियों में जल्दी से फैलने लगता है जिससे दर्द या सूजन हो सकती है. ब्लड सर्कुलेशन में कमी आने के कारण फ्लूइड रिटेंशन हो सकता है हालांकि इससे बचने के कुछ उपाय भी है जिसे फॉलो करके इस समस्या से बचा जा सकता है.जैसे कि हमने आपको बताया है कि सर्दियों में हाथ-पैर की उंगलियां सूजने या गलने (फटने) की समस्या आमतौर पर रक्त प्रवाह धीमा होने और त्वचा की संवेदनशीलता बढ़ने के कारण होती है. यह समस्या विशेष रूप से उन लोगों में होती है जो बहुत ज्यादा ठंड के संपर्क में आते हैं.

1. ठंड के कारण रक्त वाहिकाओं का सिकुड़ना ठंड में शरीर की छोटी रक्त वाहिकाएं (कैपिलरीज) सिकुड़ जाती हैं. इससे उंगलियों तक रक्त प्रवाह कम हो जाता है, जिससे ऊतकों में ऑक्सीजन की कमी हो सकती है और सूजन या जलन का अनुभव होता है.

2. चिलब्लेन्स : अत्यधिक ठंड के कारण त्वचा और नीचे की ऊतक सूज सकते हैं. इसे चिलब्लेन्स कहते हैं. इससे त्वचा लाल, सूजी हुई और खुजलीदार हो जाती है.

3. शुष्क त्वचा: सर्दियों में त्वचा सूख जाती है, जिससे त्वचा में दरारें और जलन हो सकती है. ये दरारें कभी-कभी संक्रमण का कारण भी बनती हैं.

4. फ्रॉस्टबाइट : अगर बहुत ठंडे तापमान में लंबे समय तक रहना पड़े, तो त्वचा और ऊतकों को नुकसान हो सकता है. यह स्थिति गंभीर होती है और त्वरित उपचार की आवश्यकता होती है.

5. पोषण की कमी: अगर आपके शरीर में विटामिन क़, विटामिन क और आवश्यक फैटी एसिड की कमी है तो आपकी त्वचा कमजोर और संवेदनशील हो सकती है.

6. ब्लड सर्कलेशन की समस्या: जिन लोगों में ब्लड सर्कलेशन से जुड़ी समस्याएं होती हैं, जैसे रेनॉड्स डिजीज उन्हें ठंड में यह समस्या हो सकती है.

खुद को वार्मअप जरूर करें- नियमित व्यायाम करें ताकि ब्लड सर्कुलेशन होती रहे और बॉडी में एक्टिविटी बनी रहे. आप कोई आउटडोर गेम भी खेल सकते हैं.सर्दी के मौसम में जितनी धूप मिल रही है जरूर लें और कोशिश करें कि सुबह की पहली किरण वाली धूप लें.

विटामिन व, विटामिन क और ओमेगा-3 फैटी एसिड युक्त भोजन का सेवन करें.सर्दी के मौसम में आरामदायक जूते पहनें. मोजे पहनकर रखें. पैरों में तेल, क्रीम लगाकर मॉइश्चराइज करें.

अगर सूजन के साथ आपको उंगलियों पर बहुत ज्यादा खुजली हो रही हैं तो डाक्टर को जरूर दिखाएं क्योंकि इससे घाव बन सकते हैं जो परेशानी को बढ़ा सकते हैं. ज?यादा ठंडे पानी में काम न करें. पानी को गुनगुना रखें. रक्त संचार को बेहतर बनाने और उंगलियों में अकड़न को कम करने के लिए हल्के व्यायाम करें या हाथों को स्ट्रेच करें.ठंडी के दौरान कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है. ऐसे में सतर्क रहने के साथ ही जरूरी बातों पर गौर करना जरूरी होता है. यह समझदारी की बात होती है. ठंडी में स्वयं का बचाव करना जरूरी है.

श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल ने माना अपनों का आभार

आभार 2024 रहा उत्साहपूर्ण, सालभर लिए कई कार्यक्रम,सभी का मिला साथ

विदर्भ स्वाभिमान, 25 दिसंबर

अमरावती- स्थानीय श्री माहेश्वरी पंचायत अंतर्गत श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल द्वारा मंडल के और मंडल को जिनका साल भर योगदान मिला उन सब के लिए आभार 2024 डीजे डिस्को नाइट का आयोजन स्थानीय नरेश बाबू लॉन में आयोजित किया गया था. जिसमें डिस्को डीजे और कैजुअल वेयर की थीम रखी गई थी. जिसमें डिस्को डीजे, गेम्स, गेम्स जीतने वालों के लिए गिफ्ट्स और स्वादिष्ट भोजन का आयोजन किया गया था. मंडल ने जहां साल भर विभिन्न उपमक्रों के माध्यम से समाज को खुशियां देने का कार्य किया, वहीं युवाओं के कार्यक्रा की सराहना सभी ने की. सभी का आभार जताने का मंडल का तरीका भी बेहतरीन रहा, इसकी भी सराहना की गई.

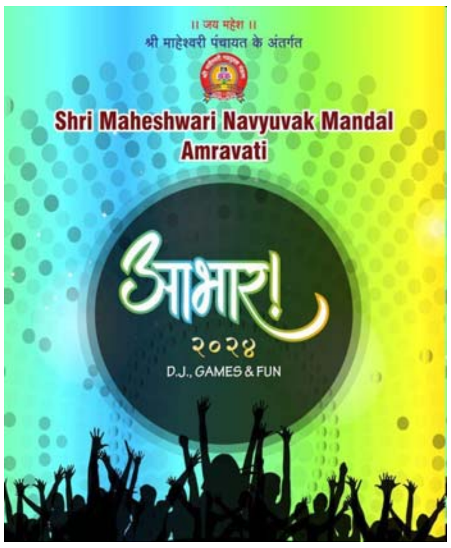

इस थीम इवेंट को स्थानीय रुद्र इवेंट के अभिषेक डागा और मयंक भट्टड़ ने पूरा इवेंट मैनेज किया. आए हुए मंडल के सदस्य, माझी अध्यक्ष और जिनका योगदान मिला उन सभी ने इवेंट को बहुत सहारा. इस इवेंट में डॉ नवीन सोनी, नितिन काकाणी, आदित्य झंवर, धीरज बियानी, मनीष सोमानी, उमेश बाहेती, सीए उज्ज्वल बजाज, तनिश लढ्ढा, सीए कृष्णा गांधी, श्रवण कलंत्री, अमित लाहोटी, मयूर सारडा, डॉ स्वप्निल लढ्ढा, रितेश राठी, पल्लव टवानी, भूषण हरकुट, पीयूष जाजू, गौरव केला, सीए शैलेश झंवर, दिनेश हेडा, मुकेश साबू, अनुप बूब, धीरज राठी, शुभम सोमानी, चंद्रशेखर बजाज, किशोर लढ्ढा, महेश मूंधड़ा, सुमित पनपलिया, श्रवण गट्टाणी, निलेश भूतड़ा, धीरज राठी, सीए धीरज सारडा, अवि सिकची, स्वप्निल राठी, सनत कालाणी, अधि. कुशल करवा, चंदन सारडा, खुशाल कलंत्री, सीए गिरधर राठी, प्रणीत सोनी, आशय मालानी, शुभम लढ्ढा, श्रेयस कलंत्री, कृष्णा पनपलिया, भगवान मालानी, शशांक डागा, अखिल चांडक, डॉ विनीत साबू, गोकुल बजाज, गोकुल मोहता, श्रीराम राठी, पवन मूंधड़ा, प्रणय बजाज, डॉ अनुप राठी, डॉ निलेश चांडक, डॉ शुभम काकाणी, विवेक कासट, उमेश गांधी, सुशील राठी, राज पनपालिया, शशांक सिकची, भूषण बूब, प्रतीक हेडा, संदीप सोनी, प्रथमेश हेडा, कृष्णा लढ्ढा, अनुराग मालानी, आदित्य मालानी, राहुल कालाणी, श्रेयस राठी, डॉ प्रतिमा सारडा, डॉ तनुश्री सोनी, डॉ विभूति बूब, डॉ कीर्ति सोनी, सोनम लोहिया, रश्मि राठी, डॉ गुंजन लड्ढा, डॉ मुस्कान काकाणी, डॉ पलक सोनी, एकता लढ्ढा, स्नेहल सोमानी, सुनीता बाहेती, सुजाता पनपालिया, शिवानी राठी, माझी अध्यक्ष बालगोविंद राठी, गोविंद सोमानी, गिरिराज कोठारी, नरेश सोनी, महेंद्र सोनी, पवन राठी, डॉ सारंग तापड़िया, सचिन राठी, विनीत भूतड़ा, निवृत्तमान अध्यक्ष वैभव लोहिया, अध्यक्ष डॉ विभोर सोनी, उपाध्यक्ष कल्पेश भट्टड़, सचिव इंजी पवन कलंत्री, कोषाध्यक्ष सीए पुर्वेश राठी, सहसचिव मोहित सारडा, सहसंगठन मंत्री रोशन सारडा, सहप्रचार मंत्री आनंद राठी, कार्यकारिणी सदस्य ईश्वर राठी, शुभम लढ्ढा, डॉ मनमोहन सोनी, शुभम मंत्री, अभिषेक कासट, प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रकल्प चांडक और खुशाल राठी आदि उपस्थित थे.

सादगी, विद्वता तथा विनम्रता के त्रिवेणी संगम

प्राचार्य डॉ.सुभाष गवई सर

को जन्मदिन की हार्दिक

शुभकामनाएं.

आप स्वस्थ रहें,मस्त रहें, यही कामना.

सकारात्मक सोच का जीवन में अनन्य महत्व

बेहतरीन सोच के साथ किया गया काम कभी विफल नहीं हो सकता है - पं.प्रदीप मिश्रा

विदर्भ स्वाभिमान
विशेष संस्कार पहल

मन के हारे हार होती है, हारें नहीं

श्री विठ्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा मनोबल बढ़ाने वाले व्यक्ति हैं. उनका कहना है कि जीवन में सदैव हमें हिम्मत का परिचय देने का प्रयास करना चाहिए. आज बदलते दौर में लोगों की चाहतें बढ़ गई हैं, दिखावापन बढ़ गया है. लोगों की चाहतें बढ़ने से खर्च बढ़ गया है. कर्ज लेकर दुनियाभर की शानशौकत तो करते हैं लेकिन बात जब अदायगी की आती है तो तनाव के चलते मामूली बात को लेकर आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठाते हैं. सोच सकारात्मक रहने से बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान होता है लेकिन नकारात्मक रहने पर विफलता मिलती है.

ज़ीवन क़ो जब हम फूल जैसा सुगंधित बनाने का प्रयास करते हैं तो निश्चित ही यह लोगों को जोड़ता है. लेकिन जब समस्याएं परेशान करती हैं तो हमें समाधान का मार्ग मिलता है. स्थितियां चाहे कैसी भी हों , हमें हर हाल में सदैव खुश रहने की कोशिश करनी चाहिए. तनाव को पालकर स्वास्थ्य के लिए दिक्कत पैदा करने की बजाय हमें यह विचार करना चाहिए कि कोई भी दिन एक जैसे नहीं रहते हैं. आज तकलीफ है तो तो कल आराम वाली स्थिति आएगी. अपने कर्म को बेहतरीन तरीके से करने का प्रयास करना चाहिए. ऐसा करने से निश्चत तौर पर हम बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान कर सकते हैं. इसलिए जीवन में सदैव अच्छी सोच के साथ ही सच्चे मन से कार्य करने का प्रयास करना चाहिए. सच्चे मन से किया गया कोई भी कार्य कभी विफल नहीं जाता है.युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा का कहना है कि जीवन में परमार्थ से बड़ा पुण्य नहीं है. माता-पिता की सेवा और उनका आशिर्वाद जिसे मिलता है, वह जीवन में कभी भी फेल नहीं हो सकता है. कर्म का फल बिना भोगे नहीं चूकता है, ऐसे में सदैव हमें अच्छे कर्म करने का प्रयास करना चाहिए. लोगों को जीवन में सदैव ख़ुशियां बांटने का प्रयास करना चाहिए.

सादगी, विद्वता, विनम्रता के त्रिवेणी संगम हैं डॉ. सुभाष गवई

बहुमुखी,हरदिल अजीज, सादगी, विद्वता तथा विनम्रता के त्रिवेणी संगम के रूप में प्राचार्य डॉ. सुभाष गवई का अनुभव मैं ने किया है. सम्पन्नता के बाद भी उनकी सादगी किसी को भी जहां प्रभावित करती है, वहीं मुस्कराता हुआ चेहरा सभी को प्रेरणा देने का काम करता है. उनकी व्यस्तता के बाद भी उनके चेहरे की मुस्कराहत कभी गायब मैंने नहीं देखी. हालांकि उनकी दिनचर्या एकदम टाइट होती है. विदर्भ स्वाभिमान परिवार की जन्मदिन पर करोड़ों शुभकामनाएं. तपोवन के कुष्ठरोगियों के जीवन में ज्योति जलाने के साथ ही अपने नेतृत्व में संस्था को तेजी से आगे बढ़ाने का काम वे कर रहे हैं. वे कहते हैं कि जिस भी काम को करें तो शतप्रतिशत समर्पण ही उसे कामयाबी प्रदान करता है.

प्राचार्य डॉ. सुभाष गवई भी ऐसी हस्ती हैं, जिन्होंने जीवन में हर स्थिति को अपनी प्रगति का माध्यम बनाने के साथ ही समाज को ही सदैव देने का प्रयास किया है. विद्वता में विनम्रता के जहां वे प्रतीक हैं, वहीं दूसरी ओर हर विषय का गहन ज्ञान रखने के बाद भी उनकी सादगी किसी को भी प्रभावित करती है. मानव सामाजिक प्राणि रहने के कारण इन्सान को इन्सान के काम आने का सदैव प्रयास करना चाहिए.

इस तरह का सिद्धांत जब हम जीवन में मानते हैं तो निश्चित तौर पर सब कुछ ठीक होता है. प्राचार्य के रूप में जहां लाखों छात्रों का जीवन संवारने का काम वे कर रहे हैं, वहीं प्रबोधनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज सुधार की दिशा में यथासंभव सहयोग देते हैं.तभी मानवता की मजबूत होती है. लेकिन दुर्भाग्य की आज स्वार्थ इन्सान पर हावी होता जा रहा है. यही कारण है कि अच्छे काम पर खर्च के लिए लोगों को विचार करना पड़ता है. सभी के प्रयास से ही किसी भी समस्या का हल निकलता है.सभी को इंसान के रूप में सामाजिक दायित्व की भावना से काम करना चाहिए. तभी शहर तथा देश का विकास होता है. मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं हो सकता है.संविधान विशेषज्ञ के रूप में राज्य में सुख्यात प्राचार्य डॉ. गवई के राज्यभर में मार्गदर्शन कार्यक्रम होते हैं. संविधान के कारण ही आज लोकतंत्र किस तरह मजबूत होता रहा है, तमाम विपरीत स्थितियों में हम कैसे प्रगति कर रहे हैं, इसकी जानकारी लोगों को देते हैं.

प्राचार्य डॉ. गवई का मानना है कि बिना स्वार्थ के किया गया कोई भी काम बेकार नहीं जाता है. इसलिए यह नहीं सोचते हुए कि मेरे लिए कौन क्या कर रहा है, अपने स्तर पर अपनी क्षमता के मुताबिक अच्छा करने का प्रयास करना चाहिए.हर विषय का गहन ज्ञान रखने के बाद भी प्राचार्य डॉ. सुभाष गवई की सादगी और उनकी विनम्रता किसी को भी प्रभावित करती है. यही कारण है कि राज्य में लाखों मित्र परिवार बनाया है. दर्जनभर से अधिक समाजसेवी संगठनों में जहां सक्रिय हैं, वहीं महाविद्यालय के प्राचार्य के रूप में बेहतरीन काम करते हुए लाखों छात्रों का जीवन संवारने में योगदान दे रहे हैं. आदर्श विचार और संस्कार जीवन में कभी पीछे नहीं लेकर जाते हैं. उन्हें जन्मदिन पर शुभकामनाएं, वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, हमारा मार्गदर्शन करते रहें, यही कामना.

सुभाष दुबे, संपादक.

विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से लोकप्रिय हो रहे राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है. मेहनती ही संपर्क करें.

- संपर्क -
विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय
छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती.
मो. 9423426199, 8855019189

ममतामयी आदर्श मातोश्री श्रीमती प्रमिलाताई जवादे

सातवीं जयंती २५ दिसंबर पर विशेष

शहर ही नहीं तो जवादे परिवार आज विदर्भ में हर क्षेत्र में अग्रणी परिवार है. इसकी प्रमुख स्व. प्रमिलाबाई उर्फ माई जवादे ममता की जहां मूरत थी, वहीं सादा जीवन और उच्च विचारों के कारण सभी में लोकप्रिय थीं. विधायक पति से विवाह के बाद कार्यकर्ताओं को जहां मां समान प्रेम देती थीं, वहीं बच्चों पर बेहतरीन संस्कार के साथ ही जीवन संवारने में माई की भूमिका महत्वपूर्ण रहती हैं. माई की पांचवीं जयंती पर उन्हें विनम्र आदरांजलि. जिसका जन्म हुआ है, उसकी मृत्यु अटल है. लेकिन इस दौरान मिलने वाले समय में हमारे द्वारा किये गए काम, की गई नेकी, सभी के साथ की गई अच्छाई जैसी खूबियां ऐसी हैं, जो हमेशा फूल की तरह ही सुगंधित रहती है. पूज्य माई को विनम्र आदरांजलि.

जीवन में मां की ममता का बखान नहीं किया जा सकता है. मेरी माई तो आत्मीयता की सागर थी. आज सात साल बिछड़ने के बाद भी कोई दिन ऐसा नहीं जाता, जब माई की याद नहीं आती हो.

शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में राजनीतिक, वैद्यकीय, सेवाभावी, मानव सेवा के साथ ही सभी क्षेत्रों में सुख्यात प्रतिष्ठीत परिवार के रूप में डॉ. राजेश जवादे परिवार की गणना की जाती हैं. उनकी मातोश्री श्रीमती प्रमिलाबाई जवादे उर्फ माई ममता की जहां मूरत थी, वहीं आत्मीयता के मामले में सबसे आगे थी. विवाह के बाद से परिवार के साथ ही जिस तरह से कार्यकर्ताओं को भी पुत्रवत मानती थीं, उनके स्वभाव के कारण लाखों कार्यकर्ताओं के दिलों में मां जैसा सम्मान है. दुनिया में आने वाले हर व्यक्ति को जाना पड़ता है. ऐसे में कुछ ही लोग ऐसे होते है.जिनके विचार आदर्श और प्रेरणादायी हो जाते हैं. ऐसे ही लोगों में उनका समावेश था. थे. गरीबी, अमीरी में जहां भेदभाव नहीं करती थीं, वहीं विधायक पति भाऊसाहब उर्फ श्रीधरराव जवादे रहने और उस समय उनके संबंध कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ रहने के कारण घर पर कार्यकर्ताओं का हुजूम सदैव रहता था. रात-बेरात भी कार्यकर्ताओं को भूखे पेट माई कभी नहीं जाने देती थीं. अपनापन उनमें कूट-कूटकर भरा था. बच्चों की परवरिश के साथ ही कार्यकर्ताओं को भी पुत्रवत मानती थी. नैतिकता, सच्चाई एवं ईमानदारी का दामन कभी नहीं छोड़ा. यही कारण थे कि वे आज आदर्श बन गए थे. सादगी की वे जहां प्रतिमूर्ति थीं, वहीं राष्ट्रीय स्तर के जाने-माने नेत्र शल्य चिकित्सक डॉ. राजेश जवादे सर बताते हैं कि मां ममता की मूरत थीं. सभी को सम्मान देना, सभी पर ध्यान देने के अलावा दिनभर आने वाले कार्यकर्ताओं का ख्याल रखने की विशेषता उनमें ही हो सकती है. जीवन में मां ने जहां आदर्श संस्कारों का परिवार को पाठ पढ़ाया, वहीं इंसानियत की सीख, समाजसेवा और समाज के लिए सदैव कुछ करने की सीख परिवार को दी. उनके ही आदर्श विचारों पर चलते हुए जवादे परिवार आज भी आगे बढ़ रहा है. मां की कमी तो सदैव खलती है लेकिन मां के आदर्श विचार और सिद्धांत प्रेरणा देने का काम करते हैं. संस्कारों की जहां वे जननी थीं, वहीं दूसरी ओर घर और परिवार को आदर्श संस्कार से लेकर उनके मुताबिक खर्च आय देखकर ही करनी चाहिए. आज की दुनिया में स्पर्धा करने तथा जलने की प्रवृत्ति बढ़ी है लेकिन स्पर्धा सकारात्मक करने की प्रवृत्ति घटी है. यही कारण है कि जीवन में परेशानी तथा दुख बढ़े हैं. मां का मानना था कि इन्सान के रूप में इन्सान के काम आना चाहिए. कोई मुसीबत में है तो उसकी मदद का प्रयास करना चाहिए. जिंदगी कितने दिनों की है, इसकी बजाय हम कैसे जिए, इस बात पर वे गौर करती थीं. जवादे परिवार पहले से ही आर्थिक रूप से सम्पन्न परिवार था. आदर्श आचार-विचार और संस्कारों के लिए जहां जवादे परिवार जाना जाता है, वहीं माता के आशिर्वाद और आदर्श संस्कारों के कारण ही आज पूरा परिवार समूचे विदर्भ में सुख्यात है. इसका पूरा श्रेय डॉ. जवादे अपनी आदर्श मां और पिता को देते हैं. शहर में अपने क्षेत्र में उच्च शिक्षा, आदर्श संस्कारों के लिए पहचाना जाता है.माई कम बोलती थी. लेकिन कभी किसी का मन दुखे, ऐसी वाणी नहीं बोलती थीं. सभी उन्हें आदर के साथ माई कहते थे. उनकी आदर्श विचार सरणी के साथ ही उनकी ममता के कारण कार्यकर्ताओं के दिलों में भी मां जैसा सम्मान था. 25 दिसंबर 1938 को माई का जन्म हुआ था. उनका स्वर्गवास 22 फरवरी 2018 को हुआ. माई की जयंती पर उनके चरणों में कोटि-कोटि नमन, प्रभु उनकी दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करें, उनके चरणों में यही कामना करते हैं. पूज्य मातोश्री स्व. श्रीमती प्रमिलाबाई उर्फ माई की सातवीं जयंती पर विनम्र आदरांजलि.

डॉ. राजेश जवादे
राष्ट्रीय स्तर के नेत्र शल्य चिकित्सक, समाजसेवी,
अमरावती.

शोकाकुल-डॉ. राजेश जवादे, डॉ. सौ. तृप्ती जवादे एवं समस्त जवादे परिवार, एसटी स्टैन्ड रोड, अमरावती.

मरीज सेवा में समर्पित हैं डॉ.कोमल वर्मा

शहर ही नहीं तो विदर्भ स्तर के सुख्यात चिकित्सक के साथ ही समाजसेवा के लिए सदैव प्रयासरत रहने वाली डॉ. कोमल वर्मा जितनी बेहतरीन डाक्टर हैं, उतनी ही बेहतरीन सेवाभावी महिला हैं. रविनगर चौक पर स्थित उनके अस्पताल में सदैव मरीजों की भीड़ रहती है. मरीजों के विश्वास तथा परिवार के प्रेम को अपनी सबसे बड़ी ताकत मानती हैं. साथ ही मानवता की सेवा को सबसे बड़ी सेवा मानती हैं.

सामाजिक दायित्व की भावना को ध्यान में रखते हुए सदैव प्रयासरत रहती हैं. उनके मुताबिक वही इन्सान होता है, जो किसी इन्सान के काम आए. व्यवसाय के माध्यम से भी गरीब मरीजों की मदद के लिए जहां सदैव तत्पर रहती हैं, वहीं दूसरी ओरशनिवार के दिन मरीजों की फीस भी कम लेती हैं. यही कारण है कि शनिवार को मरीजों की भारी भीड़ रविनगर के शिवाजी सुपर मार्केट स्थित अस्पताल में लगती है. उनका कहना है कि अपने प्रोफेशन के माध्यम से समाज का कर्ज लौटाने का प्रयास करती हैं.

वर्षों से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में सेवारत डॉ. सौ. कोमल वर्मा के मुताबिक हर व्यक्ति को अपने स्तर पर सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करने का प्रयास करना चाहिए. बेहतरीन डाक्टर के साथ ही समाजसेवा में भी योगदान देने के कारण उनकी लोकप्रियता जहां बढ़ी है, वहीं महिलाओं का विश्वास जीतने में सफल रही हैं. मरीजों की सेवा के साथ ही सामाजिक दायित्व निभाने में सदैव में मरीज सेवा में समर्पित के साथ ही सेवाभाव के लिए डॉ.कोमल वर्मा का उल्लेख किया जाता है. वैद्यकीय व्यवसाय को जहां उन्होंने सेवाभाव से जोड़ा है, वहीं गरीब,जरूरतमंद मरीजों को मार्गदर्शन देने का काम करती हैं. उनका कहना है कि सेवाभाव कभी बेकार नहीं जाता है. जिंदगी भगवान का दिया उपहार है, कर्म करते समय हम कितने लोगों को खुशियां दे सकते हैं, इसका अत्याधिक महत्व रहता है. उनके सामाजिक कामों को ध्यान में रखते हुए अपार लोकप्रियता प्राप्त हुई है. वे कहती हैं कि सभी को अपने स्तर पर मानवता की सेवा का प्रयास करना चाहिए.

व्यक्ति का पता नहीं बताने पर भाजपा पदाधिकारी की पिटाई

प्रयागराज- एक व्यक्ति का पता नहीं बताने पर बुधवार दोपहर एक दारोगा ने सिपाहियों के साथ भाजपा मंडल अध्यक्ष की पिटाई कर दी. विरोध पर उन्हें पकड़कर थाने में ले गए और हवालात में डाल दिया. घटना का पता चलते ही कई भाजपा नेता धूमनगंज थाने पहुंच गए.

कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा करने लगे. मांग पूरी न होने पर महापौर, महानगर अध्यक्ष समेत तमाम कार्यकर्ता धरने पर बैठ गए. घटना में प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए दारोगा हंसराज, ट्रेनी दारोगा रोमेश मणि त्रिपाठी और सिपाही योगेंद्र मिश्रा को डीसीपी सिटी ने निलंबित कर दिया. साथ ही उनके खिलाफ विभागीय जांच बैठा दी. इसके बाद भाजपा नेता माने और थाने से उठकर घर गए. बताया गया है कि प्रीतम नगर निवासी संजय कुशवाहा भाजपा के प्रीतम नगर के मंडल अध्यक्ष हैं. उनका आरोप है कि बुधवार दोपहर बाद वह अपने घर के बाहर खड़े थे. इसी बीच धूमनगंज थाने के दारोगा सोमेश मणि त्रिपाठी दो सहकर्मी के साथ आए और एक व्यक्ति का पता पूछने लगे.

उन्होंने जब जानकारी होने से इनकार किया तो दारोगा और सिपाही भड़क गए. इस पर विवाद होने लगा तो पुलिसकर्मियों ने अपशब्द का प्रयोग करते हुए पिटाई कर दी. विरोध पर उन्हें पकड़कर थाने ले जाया गया और फिर परिचय बताने के बावजूद हवालात में डाल दिया गया. इसका पता चलते ही कई पदाधिकारी व बड़ी संख्या में कार्यकर्ता थाने पहुंच गए और कार्रवाई की मांग शुरू कर दी. तहरीर फाड़ने का भी आरोप लगाया.मामले ने तूल पकड़ तो पहुंचे महापौर व अन्य मांग पूरी न होने पर मामले ने तूल पकड़ लिया. तब तक भाजपा महानगर नगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र, महापौर गणेश केसरवानी, क्षेत्रीय महामंत्री संतोष पटेल, महामंत्री रवि केसरवानी, प्रवक्ता राजेश केसरवानी, युवा मोर्चा अध्यक्ष पप्पू पांडेय भी पहुंच गए. कई घंटे तक कहासुनी का दौर चला.

उपाध्याय ड्रायफ्रूट्स एन्ड फुडस्,जवाहर रोड के भीतर,अमरावती

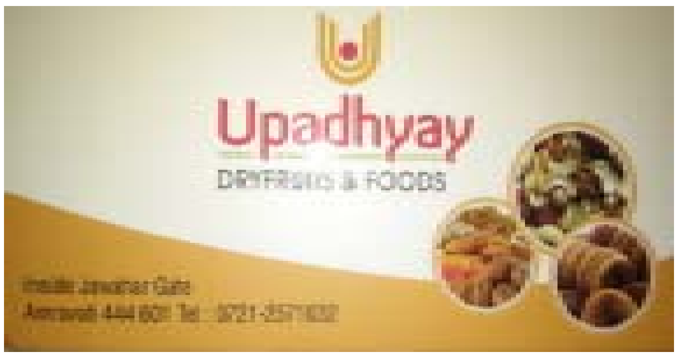

ज़वाहर रोड के भीतर,अमरावती.

गुरूवार 26 दिसंबर से 1 जनवरी 2025

मेष

इस सप्ताह छोटा सा प्रयास भी आपको सफलता दिलाने का काम कर सकता है. ऐसे में समझदारी से काम करना उचित है.वाहन धीरे से चलाएं, विवाद टालें.

वृषभ

भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे. दूसरों की भावनाओं का सम्मान करेंगे.रिश्तों में चल रही गलतफहमी दूर होगी.नाहक किसी से विवाद से बचना श्रेयस्कर रहेगा.

मिथुन

थोड़ी सी मेहनत भी आपको कामयाबी दिला सकती है. रिश्तों में विवाद टाले. अपनों के बारे में चिंता की संभावना है.यह स्थिति केरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का पूरा फायदा मिलने वाला है.

कर्क

दिखावे के चक्कर में कर्ज का बोझ बढ़ाने से बचें . आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा.

तुला

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है.प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर विशेष ध्यान दें.

कुंभ

आपकी समझदारी से कई समस्याओं का समाधान होगा. यह समझाने का प्रयास करें. समझदारी,विनम्रता से सभी काम बनते जाएंगे. नाहक तनाव लेने से बचें.अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.

मीन

इस राशि के लोगों के लिए यह सप्ताह बेहतरीन फलदायी रहने वाला है. आपका हर काम इस दौरान सफलता दिलाने वाला होगा. विवाद से बचना होगा. वाहन धीरे से चलाना ठीक रहेगा.

कर्मयोगी संत गाड़गेबाबा समाज सुधारक संत

भजन के माध्यम से प्रमोद पोकले ने किया सामाजिक प्रबोधन, श्रोता भजनों पर झूमने हुए विवश

विदर्भ स्वाभिमान,25 दिसंबर

अमरावती- कर्मयोगी संत गाड़गेबाबा समाजसुधारक संत थे. उन्होंने पूरे विश्व को कीर्तन के माध्यम से जहां अंधश्रद्धा से दूर रहने का संदेश दिया, वहीं स्वच्छता अभियान उनकी ही देन है. कर्मयोगी संत गाड़गेबाबा ने मानवता की सेवा के साथ ही समाजसेवा और स्वच्छता का संदेश दिया. दूरदर्शन तथा आकाशवाणी के कलाकार प्रमोद पोकले ने विभिन्न भजनों से उपस्थितों को मंत्रमुग्ध कर दिया. उनके भजनों पर उपस्थित भी झूमने लगे.

समाज में जातिगत भेदभाव, असमानता, अंधविश्वास और कुरीतियों की भयावहता को झेलते हुए वैराग्यमूर्ति गाडगे बाबा ने गरीबों की सेवा और गांव की स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, नशा मुक्ति एवं अंधविश्वास उन्मूलन जैसे सामाजिक कार्यों को अपनाकर समाज को कीर्तन के माध्यम से जागरूक किया. अतः कर्मयोगी गाडगेबाबा यानी संत तुकाराम महाराज के विचारों की विरासत को संजोकर रखने वाले एवं सामाजिक चेतना से समाज का सुधार करने वाले आधुनिक समाज सुधारक एवं लोकसंत थें, ऐसा प्रतिपादन दूरदर्शन व आकाशवाणी गायक तथा लोक कलाकार प्रमोद पोकले ने किया.

संत गाडगेबाबा उत्सव समिति, इंदिरानगर एवं समस्त ग्रामवासी मंडली जनिवस्ती बडनेरा द्वारा आयोजित वैराग्यमूर्ति संत गाडगेबाबा पुण्यतिथि महोत्सव में भजनों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बोल रहे थे. कार्यक्रम की शुरुआत में तबला वादक विनायक ढोले और भजन गायक प्रमोद पोकले ने संत गाडगेबाबा, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज और स्व.महादेवबुवा बडनेरकर महाराज की छवि का पूजन किया और उसके बाद भजनों का कार्यक्रम संपन्न हुआ. तबले पर विनायक ढोले और हारमोनियम पर सुरेश वानखड़े ने, जबकि ताल पर आदित्य वानखड़े ने संगत की. इस अवसर पर संत गाडगेबाबा विद्यापीठ, अमरावती के सहयोग से गाडगेबाबा चित्रों की एक भव्य प्रदर्शनी भी आयोजित की गई. भजन प्रस्तुति के पश्चात संत गाडगेबाबा अध्यासन अमरावती विद्यापीठ के प्रो.दिलीप काले और ज्येष्ठ साहित्यकार प्रो.सतीश तराल द्वारा व्याख्यान का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम का संचालन श्याम बडनेरकर ने किया. इस वक्त दलित मित्र उत्तमराव भैसने, सामाजिक कार्यकर्ता विजय नागपुरे, शरद ठोसरे, उमेश वाठ, मनोहर धर्माले, शंकर गव्हाले, राहुल श्रृंगारे, गौरव बांते, नाना आमले, किरण अंबाडकर, सुरेश श्रीरामवार, गणेश महाराज खंडार, पुंडलिक सपाटे, गजानन कांडलकर, अरविंद व-हेकर, अरुण मावंदे, सुचित्रा वनवे, नगरसेविका गंगाताई अंभोरे, जयश्री मोरे उपस्थित थी. कार्यक्रम के सफलतार्थ सुरेश वानखड़े, अजय खरबड़े, ज्ञानेश्वर वानखड़े, विठ्ठल मोहोड, अशोक हरणे, नामदेव निकोरे, राजू चेडे, छोटू सोनोने, संजय रईकर, पवन सपाटे, मनोज संभे, प्रसाद पोकले, विजय दारोकर, नितिन डेहनकर, गजेंद्र बडनेरकर, श्यामराव बांते, लक्ष्मण कैकाडे, तुषार पोकले, संजय चेडे, संदीप इंगोले और ज्ञानेश्वर कैकाडे ने अथक परिश्रम किये.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्‌चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन

राजपुरोहित स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता की विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

शारदा नगर, रघुवीर मोटर्स के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

हर गुरूवार नियमित पढ़िये विदर्भ स्वाभिमान

घर का सपना आपका, पूरा करने में योगदान करते हैं हम

थोक की दर में निर्माण साहित्य का विश्वसनीय स्थान